इल्तुतमिश (1211–1236) Iltutmish (1211-1236)

गुलाम वंश → गुलामों का गुलाम
slave of slaves

- गुलाम – ऐबक का
  Ghulam - Aibak's
- गवर्नर – बदायूँ का Governor - of Badaun
- राजधानी – दिल्ली Capital - Delhi

Imp

नोट :– दिल्ली सल्तनत का वास्तविक संस्थापक
Note :- The real founder of Delhi Sultanate

इल्तुतमिश (1211–1236) Iltutmish (1211-1236) → गुलाम वंश

→ गुलामों का गुलाम

- गुलाम – ऐबक का
- गवर्नर – बदायूँ का
- राजधानी – दिल्ली

नोट :– दिल्ली सल्तनत का वास्तविक संस्थापक – इल्तुतमिश

- इक्ता प्रथा का प्रचलन **Prevalence of Iqta system**
- चालीसा दल की स्थापना **Establishment of Chalisa Dal**
  - इसे तुर्कान–ए–चहलगानी कहा गया → ५० अमीरों का समुह
    It was called Turkan-e-Chahalgani
- पद की मान्यता – 1229 में बगदाद के खलीफा द्वारा — इस्लामिक धर्म गुरु
  Recognition of the post - by the Caliph of Baghdad in 1229
- उपाधि – सुल्तान–ए–आजम **Title - Sultan-e-Azam** → इल्तुतमिश प्रथम शासक जिसने सुल्तान की उपाधि ली
- 1221 में मंगोल आक्रमण कारी चंगेज खां का आक्रमण
  In 1221 Mongol invader Genghis Khan's invasion

- इक्ता....... प्रथा का प्रचलन
- चालीसा दल की स्थापना
  - इसे तुर्कान-ए-चालीसा कहा गया
- पद की मान्यता – 1229 - बगदाद के खलीफा द्वारा
  - इस्लामिक धर्म गुरु
- उपाधि – "सुल्तान-ए-आजम"
- 1221....... में मंगोल आक्रमण कारी चंगेज़ खां....... का आक्रमण

- इल्तुतमिश खलीफा से अधिकार पत्र प्राप्त करने वाला दिल्ली सल्तनत का प्रथम वैधानिक सुल्तान था
- **Iltutmish was the first legal sultan of the Delhi Sultanate to receive a letter of authority from the Caliph.**
- शुद्ध अरबी सिक्के जारी करने वाला प्रथम तुर्क सुल्तान
- **The first Ottoman Sultan to issue pure Arabic coins**
- प्रसिद्ध दरबारी – मिनहाज–उस–सिराज
  Famous courtier - Minhaj-us-Siraj
- रचना – तबकात–ए–नासिरी **Composition - Tabaqat-e-Nasiri** Imp
- मृत्यु – 30 अप्रैल 1236 **Death - 30 April 1236**
- मकबरा – दिल्ली में (इल्तुतमिश द्वारा) **Tomb - in Delhi (by Iltutmish)**
- उत्तराधिकारी – रजिया सुल्ताना **Successor - Razia Sultana**

- इल्तुतमिश खलीफा से अधिकार पत्र प्राप्त करने वाला दिल्ली सल्तनत का प्रथम वैधानिक सुल्तान था
- शुद्ध अरबी सिक्के जारी करने वाला प्रथम तुर्क सुल्तान
- प्रसिद्ध दरबारी – मिनहाज उस - सिराज
- रचना – तबकात ए नासिरी
- मृत्यु – 30 April - 1236
- मकबरा – दिल्ली (इल्तुतमिश ने)
- उत्तराधिकारी – (रजिया सुल्ताना)

रजिया सुल्ताना (1236–1240)

Razia Sultana (1236–1240)

- दिल्ली सल्तनत की पहली महिला शासिका

First woman ruler of Delhi Sultanate

- रजिया ने प्रर्दा प्रथा त्याग कर कुबा / कबा (कोट) और कुलाह (टोपी) → पहनकर में आने लगी।

Razia renounced the purdah system and wore Kuba/Kaba (coat) and Kulah (cap).

रजिया सुल्ताना (1236–1240)

Razia Sultana (1236–1240)

- दिल्ली सल्तनत की महिला शासिका → रजिया सुल्ताना
- रजिया ने प्रर्दा प्रथा त्याग कर (कुबा/कबा (कोट)..... और कुलाह (टोपी))
- अमीर–ए–आखूर – (अस्तबल का अध्यक्ष) → "जलालुद्दीन याकूत"

- शादी – अल्तुनिया से **Marriage - from Altunia**

  तबरहिन्द (भटिंडा) का इक्तादार (सामन्त)

  Iqtadar of Tabarhind (Bhatinda)

- मृत्यु – 1240 ई. कैथल में **Death - 1240 AD in Kaithal**

  (रजिया की हत्या

- शादी – अस्तूनिया से
  - तबरहिन्द (भटिंडा) का इक्तादार
  - Iqtadar of Tabarhind (Bhatinda)
- मृत्यु – 1240 ई० कैथल में
  - हरियाणा

गयासुद्दीन बलबन (1266–1286)

Ghiyasuddin Balban (1266-1286)

- मूल नाम – बहाउद्दीन Original name - Bahauddin
- चालीसा दल को समाप्त किया Chalisa Dal abolished
- बलबन से सिजदा और पाबोस प्रथा का प्रचलन — ईरानियों
- Introduction of Sijda and Pabos system from Balban
- नवरौज प्रथा का प्रचलन Prevalence of Navroj practice

पारसियों का नववर्ष

उपाधि– Degree-

① उलूग खाँ (नासिरूद्दीन महमूद द्वारा) ② जिल्ले-इलाही – (ईश्वर की छाया)

Ulugh Khan (by Nasiruddin Mahmud)

गयासुद्दीन बलबन (1266–1286)

Ghiyasuddin Balban (1266-1286)

- मूल नाम – बहाउद्दीन
- चालीसा दल को समाप्त किया
- बलबन से सिजदा एवं पाबोस प्रथा का प्रचलन
- नवरोज..... प्रथा का प्रचलन
- उपाधि– Degree- उलूग खाँ, "जिल्ले इलाही"

- गुप्तचर विभाग का नाम – वरीद–ए–मुमालिक
  Name of Intelligence Department - Warid-e-Mumalik
- गुप्तचर अधिकारी – वरीद Intelligence Officer - Warid
- दीवान–ए–अर्ज – सैन्य विभाग
  Diwan-i-Arz - Military Department
- नगद वेतन – गुप्तचरों को Cash salary - to detectives
- शासन की नीति का आधार – लौह और रक्त नीति
- The basis of the policy of governance - iron and blood policy
- बलबन की मृत्यु की – 1286 Death of Balban - 1286
- गुलाम वंश का अंतिम शासक – शमशुद्दीन क्यूमर्श → 1290

- गुप्तचर विभाग का नाम – वरीद ए मुमालिक
- गुप्तचर अधिकारी – वरीद
- दीवान–ए–अर्ज – सैन्य विभाग
- नगद वेतन – गुप्तचरों
- शासन की नीति का आधार – लौह एवं रक्त
- बलबन की मृत्यु की – 1286
- गुलाम वंश का अंतिम शासक – शम्सुद्दीन क्यूमर्श – 1290